परिसर के अन्दर स्पोर्टस होटल की बात थी, फिर वहां अस्पताल की बात हो गई, फिर स्पोर्टस होटल की बात हो गई। इसकी 12 साल पहले जो कॉस्ट थी और जो उद्देश्य था खेल परिसर के अन्दर बनाने का उसमें एक दूसरी बात हो गई। अभी माननीय मंत्री जी ने कहा कि फिर से टैंडर किया गया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि क्या टैंडर फाइनल हुआ है, कितनी कॉस्ट होगी, यह भी इन्होंने नहीं बताया। इसलिए अभी भी क्या होने जा रहा है, यह बात क्लीयर-कट माननीय मंत्री जी को इस सदन को बतानी चाहिये कि वहां आप क्या करने जा रहे है? यह जो नयी योजना है इसकी क्या लागत है, क्या खर्च है, कितने दिनों में इसको पूरा करने का लक्ष्य आप रखते हैं, यह हम उनसे जानना चाहते है? लागत खर्च बताएं, उसमें क्या करना चाहते हैं, कितने दिनों में पूरा करना चाहते हैं और इसका कोई लक्ष्य है या नहीं है, यह मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं?

†

SHRI S.R. BOMMAI: Sir, I have already said that we are calling for fresh tenders. The tenders are ready and they have been examined by the department. We will call for tenders and finalise and complete the project as early as possible.

SHRI SOM PAL: Mr. Chairman, Sir, the basic issue involved in this matter is: how can a country like ours afford to keep such a huge asset unused for such a long time? Can we afford to incur such a colossal loss? Time and again proposals have been given and tenders have been invited. But again they have given a constricted choice, that is, to give it to a hotel. Why don't they advertise it openly? They can say that any commercial or private sector company, whosoever pays the maximum, they will hand it over to it. Every time they give a limited choice, the same story will be repeated. I would request the Minister to assure the House that they will offer it openly. In 14 years, we have lost Rs. 200 crores. Is this the priority of India where lakhs of villages are without water, without roads and without hospitals? The very fact that it was lying unused for such a long time proves that the previous Government was not in order in its matters of priority. Will the hon. Minister assure the House that he will float it openly so that it can be taken up by whosoever pays the highest price?

SHRI S.R. BOMMAI: I completely agree with the fine sentiments expressed by my hon. friend. But the question is that it is within the complex and whether it can be taken up for any purpose is difficult to say. Indoor games and international games are held in the complex. Near the complex, a hotel is necessary so that the players and others can stay there. Therefore, the Government has decided that open tenders be called for. It is not a private affair. We will publish it in the newspaper and we will go by the rules and see to it that the matter is closed as early as possible.

Increasing the Frequency of Rajdhani Express between New Delhi and Bhubaneswar

*47.SHRIMATI JAYANTI PATNAIK:WiU the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal to increase the frequency of Rajdhani Express between New Delhi and Bhubaneswar;

(b) if so, whether Government have taken

†Transliteration in Arabic Script

any step in that direction; and

(c) by when the frequency of Rajdhani Express is likely to be increased between Bhubaneswar and New Delhi and Vice-versa?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) नई दिल्ली और भुवनेश्वर के बीच राजधानी एक्सप्रेस की बारंबारता बढ़ाए जाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

SHRIMATI JAYANTI PATNA1K: Excepting the Southern States, are there any other capitals of major states where the frequency of the Rajdhani Express is only once a week? That too, is it cancelled sometimes, like today's Orissa bound Rajdhani Express which has been cancelled?

श्री राम विलास पासवान: चेयरमैन सर, मंत्री की हैसियत से मैं पहली बार यहां आया हूं, मैं अपने साथियों को धन्यवाद भी देना चाहता हूं। अभी माननीय सदस्या ने जो प्रश्न उठाया है, मैं इस बात से सहमत हूं कि जो मांगें हैं खास कर के राजधानी और शताब्दी एक्सप्रेस की, उन मांगों के अनुसार हम उन्हें पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमारे पास जो डिमांड्स हैं और खास कर के हाई स्पीड कोचिज़ की, जो शताब्दी के लिए और राजधानी के लिए स्पेशल हैं, जितनी मांगें हैं, उस अनुपात में हम उनको पूरा करने में अभी सक्षम नहीं है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि तीन चीजें हैं एक तरफ तो नई-नई रेलगाड़ियों की डिमांड्स पूरे देश में हो रही हैं, दूसरी तरफ जो गेज़ कन्वर्शन का मामला है, वह भी माननीय सदस्यों द्वारा बार-बार उठाया जा रहा है और जब गेज़ कन्वर्शन हो जाता है जो फिर तीसरा मामला आ जाता है कि अधिक से अधिक रेलगाड़ियां चलाई जाएं और खास कर के द्रुत गति से चलने वाली रेलगाड़ियां चलाई जाए, जैसे राजधानी है, शताब्दी है, सुपर फास्ट ट्रेन हैं, इस तरह की। हम माननीय सदस्या की भावना से सहमत हैं और हमारी कोशिश है और मैंने कहा भी है कि जो पिछड़े हुए क्षेत्र हैं, राज्य है, उनके ऊपर हम विशेष ध्यान देने जा रहे हैं ..... अभी फिलहाल इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं है, लेकिन आप ने जो विचार व्यक्त किया है, हम उस पर गंभीरतापूर्वक विचार कर रहे हैं और ज्योंही हमारे पास कोच अवलेबल हो जाएगा, हम उसको बनाने का काम भी करेंगे।

SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Sir, the Minister did not mention about the capitals of major States where the frequency is only once a week. What I mean to say, as the Minister has already admitted that backward States like Orissa should not be neglected. Even today, as I have already pointed out, the train has been cancelled. Right from the beginning, it has been a very popular train with a progressively increasing demand from the passengers. Recently also, a delegation of MPs met the Minister and demanded it. Will the Minister look into this justified demand,—I say, 'justified demand'—and see to it that the frequency of the Rajdhani Express is increased to thrice a week, if not' daily'?

श्री राम विलास पासवान: चैयरमेन सर, अभी भुवनेश्वर से जो गाड़ियां चलती हैं, उन में राजधानी के अलावा चार गाड़ियां चलती हैं। पुरूषोत्तम एक्सप्रेस डेली चलती है, पुरी एक्सप्रेस सप्ताह में चार दिन चलती है, नीलांचल एक्सप्रेस तीन दिन चलती है और उत्कल एक्सप्रेस डेली चलती है। अब जहां तक राजधानी का सवाल है, उस में सिर्फ भुवनेश्वर ही नहीं है बल्कि त्रिवेद्रम है, मद्रास है, बंगलौर हैं, जम्मू है, जो वहां भी सप्ताह में एक ही दिन चलती है। तो यह ऐसी बात नहीं है कि भुवनेश्वर ही ऐसा है या उड़ीसा ही ऐसा है। इसलिए मैंने शुरू में ही बताया और जहां आप ने कहा कि यह औचित्य का सवाल है। मैं इस बात को स्वीकार करता हूं कि जनभावना तीव्र है और लोगों की डिमांड भी है, लेकिन हम को दो-तीन चीजें देखनी पड़ती है जोकि मैंने पहली कहीं। जहां तक आप की मांग का सवाल है, मांग को मैं नकार नहीं रहा हूं। आप की मांग जायज है, लोगों की मांग भी जायज है, लेकिन मांग के अनुपात में पूर्ति का सवाल जुड़ा है और पूर्ति के लिए हमारे पास उतने साधन नहीं है। ज्योंही हमारे पास साधन आ जाएंगे, हम निश्चित रूप से उस पर विचार करेंगे।

श्री मोहम्मद सलीम: सभापति महोदय, यह सवाल इसलिए उठ रहा है कि पूर्व और पूर्वोत्तर भारत से उत्तर और पश्चिमोत्तर भारत का जो संयोग होना चाहिए था या उस के लिए जो व्यवस्था वर्षों पहले होनी चाहिए थी, वह पिछड़ गयी है और इस कारण राजधानी की जो मांग उठ रही है, दरअसल वह जो ''रिच'' और ''सुपर रिच'' या वी॰आइ॰पीज॰ या वी॰वी॰आइ॰पीज॰ हैं, उन को काफी दिक्कत हो रही है। लेकिन अगर सुपर फास्ट ट्रेन ज्यादा हों भुवनेश्वर, पटना और गोहाटी से दिल्ली और बियांड दिल्ली तक तो फिर जो वी॰आइ॰पीज॰ और ''सुपर रिच'' हैं, उन की भीड़ कम हो जाएगी क्योंकि बहुत से गरीब और

कामकाजी लोगों को भी राजधानी से आने के लिए बाध्य होना पड़ता है क्योंकि रिजर्वेशन के लिए लंबी-लंबी कतार लगी रहती है। तो पुरबा है, कालका है, नीलांचल है - आप पुरबा भेजते हैं पटना हफ्ते में दो बार, उसे 7 दिन भेज दीजिए। पासवान जी, आप की कांस्टीट्यूंसी के वह नजदीक है और हमारी यह परंपरा रही है कि जो भी रेलवे मंत्री होते हैं, वह अपनी कांस्टीट्यूंसी में रेल खींचकर ले जाते हैं। तो आप अगर पुरबा को 7 रोज कर देते हैं विदाउट डिस्टर्बिंग वाया वाराणसी से और भुवनेश्वर राजधानी दो कर देते हैं एक से, तीन अगर लेंका जी कर देते तो अच्छा होता और यह दिक्कत कम हो जाएगी। क्या आप इसे ध्यान में रखेंगे और 20 साल से जो नॉन-राजधानी सुपर फास्ट ट्रेंस पुरबा, कालका, नीलांचल एक्सप्रेस है उस को आप थोड़ा ज्यादा बढ़ा दीजिए। साथ ही एक ट्रेन इंट्रोड्यूस कर दीजिए भुवनेश्वर से, एक इंट्रोड्यूस कर दीजिए पटना से, एक गोहाटी से और एक कलकत्ता से तो आप की राजधानी की जो मांग है, वह कुछ दिन तक दबी रहेगी। क्या आप ऐसा करेंगे?

श्री राम विलास पासवान: सभापति जी, रेलवे बजट 16 तारीख को आनेवाला है और रेलवे बजट में इन सारी चीजों की चर्चा होगी कि कौन सी नयी ट्रेंस इंट्रोड्यूस की जाएंगी और कौन सी नई रेलवे लाईस इंट्रोड्यूस की जाएंगी। इन सब चीजों की चर्चा होगी और उस समय माननीय सदस्यों को समय भी मिलेगा और मैं भी विस्तार से जवाब देने में सक्षम हो पाऊंगा।

श्री अजीत जोगी: सभापति जी, पासवान जी को बधाई, वह प्रधान मंत्री जी की कुर्सी पर बैठे हैं। हम लोग चाहेंगे कि वह हमेशा ऐसी कुर्सी पर बैठे रहें।

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Sir, I want to tell the new Railway Minister ...*(intrruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Let us hear Mr. Singla.

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Thank you Mr. Chairman.

Sir, I come from the State of Punjab. For the last SO years, not a single inch of new railway line was created in our state. This demand is being raised right from the First Lok Sabha to the Eleventh Lok Sabha. It is also unfortunate that we don't have a Railway Minister from Punjab. Otherwise, it would have been done much earlier.

Last year, a promise was made by the earlier Government. Even though our demand was conceded, it could not find place in the 1995-96 Railway Budget. Chandigarh, in spite of being the capital of Pubjab, is still unconnected with Punjab.

In the 'fifties, a promise was made by Pandit Jawaharlal Nehru that a second railway line would be laid from Patiala to Narwana. After this promise, three surveys were made and all of them were confined to the records of the Railway Board.

My question is: Would the Railway Minister include the new railway line from Patiala to Narwana which would connect Punjab and Haryana in the forthcoming Railway Budget?

The traffic congestion on the GT Road would also be reduced with this measure.

AN HON. MEMBER: Please put your question.

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: My question is: Would the new Railway Minister promise me that Punjab would not be neglected while he is in-charge of the Ministry?

श्री राम विलास पासवान: सभापति जी, अभी इसका इसमें कोई तारतम्य नहीं है और यहां तक मैंने कहा है रेलवे लाइन के संबंध में। मैं एक बात इतना जरूर कहना चाहता हूं कि जो हमारी सरकार है, उसमें प्राथमिकता हम दे रहे हैं उन इलाकों पर, जो इलाका बिल्कुल ही पिछड़ा हुआ है, नेगलेक्टेड एरिया रहा है, जिसमें नार्थ ईस्ट भी आता है। आप सब माननीय सदस्य जानते हैं कि नार्थ ईस्ट में सिर्फ असम को छोड़ दीजिए, जितने भी सात राज्य है, चाहे अरुणाचल प्रदेश हो, मिजोरम हो, मेघालय हो, मणिपुर हो, सिक्किम हो, त्रिपुरा हो, इन राज्यों का जो हैडक्वार्टर है, राजधानी है, वहां भी अभी रेलवे लाइन नहीं पहुंच पाई है। उसी तरीके से राजस्थान का रेगिस्तान का एरिया पड़ता है, मध्यप्रदेश का इलाका है, पंजाब का इलाका है। तो निश्चित रूप से, जब हम रेलवे बजट पेश करेंगे, हम कोशिश करेंगे, मैं कहां-कहां क्या करेंगे वह तो नहीं कह सकता लेकिन कोशिश करेंगे, कि जो नेगलेक्टेड एरिया रहे है उन पर विशेष ध्यान दिया जाए।

श्री सुरिन्दर कुमार सिंगला: पंजाब का जो केपिटल है, केपिटल, वह अनकनेक्टेड है। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: question No. 48 — Shri Ajit P.k. Jogi.

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश): प्रश्न संख्या 48.

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमति कान्ति सिंह): सभापति महोदय, आज मेरा राज्य सभा में पहला दिन है मिनिस्टर के रूप में। इसलिए मैं चाहूंगी कि हमारे जितने माननीय सांसद गण हैं, मुझे सही तरह से, पूरी तरह से सहयोग करने का कष्ट करेंगे।

श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे: आप भी सहयोग करिए। ...(व्यवधान)...

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ द्वारा कोयले का उत्पादन और निर्यात

*48. श्री अजीत जोगी: क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1995-96 के दौरान साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ के विभिन्न कोयला क्षेत्रों द्वारा कितने कोयले का उत्पादन किया गया और यहां से कितने कोयले का निर्यात किया गया;

(ख) क्या सरकार ने इन कोयला क्षेत्रों के उत्पादन और निर्यात किए जाने वाले कोयले की मात्रा को बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाये हैं;

(ग) यदि हां, तो कंपनी द्वारा आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान कितनी प्रगति की गई है; और

(घ) क्या इस कंपनी से बड़ी मात्रा में कोयला चोरी होने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं; यदि हां, तो ऐसे कितने मामले अब तक प्रकाशन में आए, उन पर क्या कार्यवाही की गई और भविष्य में कोयले की चोरी के प्रकरणों को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कांति सिंह): (क) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ द्वारा वर्ष 1995-96 के दौरान कुल 53.17 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया गया है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ से वर्ष 1995-96 के दौरान कोयले का कोई निर्यात नहीं किया गया है।

(ख) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ में कोयले के उत्पादन में वृद्धि किए जाने के संबंध में विभिन्न कदम उठाए गए हैं। इनमें निम्नलिखित कदम शामिल हैं— नयी खानों का खोला जाना, विद्यमान खानों का आधुनिकीकरण किया जाना और श्रमिकों तथा मशीनरी की उत्पादकता में सुधार करके विद्यमान खानों के उत्पादन में वृद्धि किया जाना। ऐसे ग्रेड के कोयले की उपलब्धता जिसकी कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ से निर्यात किए जाने की संभावना है, वह कंपनी के अपने संयोजित उपभोक्ताओं की मांग को पूरा किए जाने के लिए ही पर्याप्त है। अत: साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ के स्त्रोतों से निर्यात किए जाने हेतु कोयला शेष नहीं बचता है। इसी तरह साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ से कोयले का निर्यात किया जाना संभावित निर्यात दूरी के कारण इसके परिवहन की उच्च लागत को दृष्टिगत रखते हुए यह मितव्ययी नहीं होगा। अत: साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ ने अपने कोयले का निर्यात किए जाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए हैं।

(ग) गत वर्षों में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ में कोयले के उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई है। आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम चार वर्षों के दौरान साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ में हुए उत्पादन को नीचे दर्शाया गया है:-

(आंकड़े मिलियन टन में)

वर्ष	उत्पादन
1992-93	46.03
1993-94	47.53
1994-95	50.00
1995-96	53.17 (अनंतिम)

(घ) कोल इंडिया लि॰ से प्राप्त सूचना के अनुसार साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि॰ से कोयले की ऐसी चोरी होने के संबंध में कंपनी को कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

श्री अजीत जोगी: सभापति महोदय, मैं केवल मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया है, उसके "डी" भाग की ओर उनका ध्यान आकर्षित करके प्रश्न पूछना चाहूंगा। मंत्री महोदय ने कहा है कि कोयले की चोरी की कोई शिकायत उन्हें नहीं मिली है, यह पूर्णत: गलत बात है। मैंने स्वत: लगभग दो साल पहले सोहागपुर एरिया में कोयले की चोरी की शिकायतें की थीं ...(व्यवधान)...

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): दो साल पहले ये नहीं थीं, अभी आई हैं। ...(व्यवधान)...

श्री अजीत जोगी: उसका भी पूछा है हमने, उसका पूछा है। ...(व्यवधान)...

कई माननीय सदस्य: कृषि मंत्री बीच में क्यों आ रहे हैं? ...(व्यवधान)...

श्री अजीत जोगी: मैं यह जानना चाहूंगा कि यह जो कोयले की चोरी की शिकायतें की गई हैं ...(व्यवधान)... मंत्रालय ने उनको गलत सूचना दी है, इसकी क्या वे इंक्वायरी कराएंगी? ...(व्यवधान)...